श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): *

MR. CHAIRMAN: Whoever said anything, nothing shall go on record. ...(*Interruptions*)... Nothing shall go on record. ...(*Interruptions*)... Don't you want the House to run? ...(*Interruptions*)...

श्री राम कुमार कश्यपः अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि गाड़ियों **...(व्यवधान)...** को निकालने का भी समय **...(व्यवधान)...**

श्री सभापतिः प्लीज़ आप बैठ जाइए। **...(व्यवधान)...**

श्री राम कुमार कश्यपः यदि निर्धारित सीमा से अधिक समय लगता है, तो **...(व्यवधान)...** उन गाड़ियों को निःशुल्क निकाला जाए **...(व्यवधान)...** ताकि जनता को असुविधा से बचाया जा सके। **...(व्यवधान)...** धन्यवाद।

SHRI K. C. RAMAMURTHY (Karnataka): Sir, I associate myself with the Zero Hour submission made by the hon. Member.

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): *

MR. CHAIRMAN: Nothing shall go on record. ...(*Interruptions*)... Now Shri Vishambhar Prasad Nishad ...(*Interruptions*)... प्लीज़, आप बैठ जाइए। रूपा जी, once your Chairman says something, you should ...(*Interruptions*)... प्लीज़, आप बैठ जाइए। **...(व्यवधान)...**

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, **...(व्यवधान)...**

श्री सुरेन्द्र सिंह नागरः *

श्री सभापतिः मेरे मिनिस्टर नहीं हैं, देश के मिनिस्टर हैं और आपके भी मिनिस्टर हैं। **...(व्यवधान)...** Whoever says anything without my permission, either Minister or anybody, nothing shall go on record.

Nothing shall go on record. ...(*Interruptions*)... I have already said it. Please, no commentary. Time is running out.

Ban on operation of boats in Ganga River in Varanasi, Uttar Pradesh

श्री विशम्भर प्रसाद निषाद (उत्तर प्रदेश): माननीय सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से एक अति महत्वपूर्ण मामले को सदन के समक्ष रखना चाहता हूं। उत्तर प्रदेश के वाराणसी में गंगा नदी में अस्सीघाट से राजघाट के बीच लगभग 2,000 नावें, मोटरबोट पुश्तैनी ढंग से हमेशा से चलती आ रही हैं जिनमें हज़ारों लोगों को रोज़ी-रोज़गार मिली हुई है। सरकार द्वारा क्रूज़ चलाए जाने के कारण पारंपरिक रूप से संचालित नाविकों की रोज़ी-रोटी बंद होने की कगार पर आ गयी है, लोग भुखमरी की कगार पर आ गए हैं। अलकनंदा काशी क्रूज़ चलाए जाने का ठेका

* Not recorded.

[श्री विशम्भर प्रसाद निषाद]

बड़े उद्योगपति को मिला है, जिसका रूट तय किया गया है, लेकिन अपने रूट पर न चलकर यह क्रूज़ अस्सीघाट से राजघाट के बीच अवैध रूप से संचालित हो रहा है। इसके कारण हज़ारों नाविकों की रोज़ी-रोटी प्रभावित हो रही है और उनका काम बंद हो गया है। इसकी वजह से एक सप्ताह से अधिक समय से नावों का काम बंद है और दशाश्वमेध घाट पर हज़ारों की संख्या में लोग धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। क्रूज़ संचालन के कारण देश-विदेश के लाखों पर्यटक और सैलानी नए वर्ष में नौका विहार नहीं कर पाए हैं। मान्यवर, वहां के नाविकों की मांग है किः—

1. एक क्रूज़ के अतिरिक्त दूसरा कोई क्रूज़ न चलाया जाए और उसे राजघाट और सामने घाट पुल के उस पार तक सीमित रखा जाए तथा Ro-Ro ferry सेवा न चलायी जाए।
2. नौका लाइसेंस पुरानी पद्धति से नगर निगम द्वारा प्रदान किया जाए।
3. बाढ़ के समय असमय नौका संचालन पर प्रतिबंध न लगाया जाए।
4. वाराणसी जल पुलिस में मल्लाहों, निषादों को गोताखोर में नियुक्ति दी जाए।
5. गंगा पार गंगबरार की भूमि पर गरीब मछुआरों को कृषि पट्टे प्रदान किए जाएं।

महोदय, पूरे देश में, जब से सभ्यता का विकास हुआ, बड़े-बड़े शहर नदियों के किनारे बसे हैं। हमारे मल्लाह और निषाद लोग, जब पुल नहीं थे, सड़कें नहीं थीं तो सारा व्यापार नाव से करते थे। हज़ारों साल से ये लोग इस व्यवसाय को करते चले आ रहे हैं। सात दिन से वहां पर क्रूज़ के आस-पास नावों की श्रृंखला बनाकर वहां के लोग घेराव किए हुए हैं। महोदय, माननीय प्रधान मंत्री जी वहां से सांसद हैं ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापतिः नहीं, नहीं ...**(व्यवधान)**...

श्री विशम्भर प्रसाद निषादः हम बता रहे हैं। वह उनका संसदीय क्षेत्र है। सात दिन से वहां पर 2,000 नावें बंद पड़ी हैं, वहां के लोग आंदोलित हो रहे हैं, लाखों लोग बेघर हो गए हैं, क्योंकि बड़े उद्योगपति आ गए हैं। जब माननीय प्रधान मंत्री जी ने नॉमिनेशन किया था तो उन्होंने कहा था कि मां गंगा ने बुलाया है। वे लोग गंगा पुत्र हैं, असली गंगा पुत्र तो निषाद, केवट और मल्लाह हैं। मैं आपके माध्यम से सरकार से कहना चाहता हूं कि माननीय प्रधान मंत्री जी का वह संसदीय क्षेत्र है, वहां सात दिन से धरना-प्रदर्शन हो रहा है। माननीय विधि और न्याय मंत्री जी यहां बैठे हुए हैं, आप तत्काल उनकी समस्या का समाधान करिए और जो क्रूज़ का रूट है, उसे उस पर चलवाइए। पूरे देश में जहां-जहां क्रूज़ चला रहे हैं, वहां इन नाविकों को पचास प्रतिशत आरक्षण दीजिए और ...**(व्यवधान)**...

श्री सभापतिः विशम्भर जी, प्लीज़ conclude कीजिए। ...**(व्यवधान)**...

श्री विशम्भर प्रसाद निषादः हम इनको सपोर्ट करते हैं, हम क्रूज़ चलने ...**(व्यवधान)**... हम चाहते हैं कि आप इनको आरक्षण देकर इनकी समस्या का समाधान कीजिए।

SHRIMATI JAYA BACHCHAN (Uttar Pradesh): Sir, I associate myself with the matter raised by the hon. Member.

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री रवि प्रकाश वर्मा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

चौधरी सुखराम सिंह यादव (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री नीरज शेखर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री सुरेन्द्र सिंह नागर (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री जावेद अली खान (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

† جناب جاوید علی خان (اترّ پردیش): مہودے، میں بھی مانّیئے سدسئے کے ذریعے اٹھائے گئے وشئے سے خود کو سمبدّھ کرتا ہوں۔

श्री संजय सिंह (राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री संजय सेठ (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री सतीश चन्द्र मिश्रा (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

श्री रेवती रमन सिंह (उत्तर प्रदेश): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

प्रो. मनोज कुमार झा (बिहार): महोदय, मैं भी माननीय सदस्य द्वारा उठाए गए विषय से स्वयं को संबद्ध करता हूं।

SOME HON. MEMBERS: Sir, we also associate ourselves with the matter raised by the hon. Member.

Rebuilding efforts after floods in Kerala

SHRI K. K. RAGESH (Kerala): Sir, as you are aware, Kerala had witnessed unprecedented flood which has affected lives and livelihood of the people in a very

† Transliteration in Urdu script.